AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

अतीत के झरोखों से निकलेंगी रोजगार की राहें

नई शिक्षा नीति के तहत लविवि के प्राचीन इतिहास विभाग ने कौशल विकास की दिशा में बढ़ाए कदम

सचिन त्रिपाठी

लखनऊ। प्राचीन भारतीय इतिहास रोचक घटनाओं संग बहुमूल्य जानकारियों से भरा पड़ा है। इसकी पढ़ाई से बेशुमार ज्ञान हासिल होता है, पर रोजगार का संकट हमेशा से बड़ी चुनौती रहा है। नई शिक्षा नीति में यह संकट भी दूर होगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग ने नई शिक्षा नीति के हिसाब से पाठ्यक्रम में बदलाव की प्रक्रिया शुरू की है। बदलाव के बाद प्राचीन पद्धति के हिसाब से पत्थर के हथियार और बर्तन बनाने की कला पाठ्यक्रम का हिस्सा होगी।

सिक्कों की पहचान और ढलाई, उत्तर प्रदेश के मंदिर और मूर्तियों के साथ ही संग्रहालय संबंधी जानकारियां भी सिलेबस में

विद्यार्थियों को पत्थर के हथियार-बर्तन बनाने का मिलेगा प्रशिक्षण

शामिल की जा रही हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. पीयूष भार्गव ने बताया कि नई शिक्षा नीति में कई अहम बिंदु हैं। क्षेत्रीय अध्ययन, कौशल विकास और रोजगार इसमें प्रमुख हैं।

विवि में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम का नया सिलेबस इस समय तैयार हो रहा है। राजभवन के निर्देश पर विभाग का 10 साल का विजन डॉक्यूमेंट भी तैयार किया जा रहा है। इन दोनों को नई शिक्षा नीति की मंशा के हिसाब से बनाया जा रहा है। यह भी प्रयास किया गया है कि विभाग के डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स को डिग्री पाठ्यक्रमों में एक पेपर के रूप में पढ़ाया जाए। नए सिलेबस में इतिहास की जानकारी और ज्ञान तो मिलेगा ही साथ ही विस्तार से प्रदेश का अध्ययन होगा और उस पर आधारित पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को रोजगार भी मिलेगा।

भ्रमण, प्रोजेक्ट, हिंदू संस्कार और सामाजिक बदलाव का भी होगा अध्ययन

डॉ. पीयूष भार्गव ने बताया कि विद्यार्थियों को सिर्फ किताबी ज्ञान न मिले इसलिए सिलेबस में स्टडी टूर को भी शामिल किया गया है। इसके तहत विभिन्न पुरातात्विक स्थलों का भ्रमण और उनकी खुदाई का काम भी कोर्स में शामिल किया जा रहा है। इसके साथ ही विभिन्न फंडिंग एजेंसी के जरिए से ज्यादा प्रोजेक्ट लाने, हिंदू संस्कार और सामाजिक बदलाव को भी सिलेबस का हिस्सा बनाया जा रहा है।

बदलाव के बाद सिलेबस में ये भी होंगे शामिल

पुरातात्विक खोज, पुरातात्विक खुदाई, मुद्राशास्त्र पर आधारित पीजी डिप्लोमा, पत्थर के हथियार और बर्तन बनाने पर सर्टिफिकेट कोर्स, शैक्षणिक भ्रमण, उत्तर प्रदेश के गुप्तकालीन मंदिरों व मूर्तियों के निर्माण और संग्रहालयों का अध्ययन, प्राचीन भारतीय इतिहास पर आधारित प्रोजेक्ट, डिप्लोमा इन इंटरनेशनल रिलेशंस इन एशिएंट इंडिया, डिप्लोमा इन हिंदू संस्कार एंड सोशल मोबिलिटी।

कैंपस में शुरू होगी कृषि की पढ़ाई

लविवि में जल्द ही परिसर में भी कृषि की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। इसके लिए शासन से जमीन भी मांगी गई है। विवि के कई कॉलेजों में इस समय बीएससी और एमएससी एग्रीकल्चर की पढ़ाई होती है। अभी तक कैंपस में इसकी पढ़ाई शुरू नहीं हुई है। इसको देखते हुए विवि ने शासन को प्रस्ताव भेजकर कृषि संकाय के लिए अतिरिक्त भूमि देने की मांग की है। कृषि संकाय में कक्षाओं के साथ ही खेती योग्य भूमि की भी जरूरत होती है। इसके बाद ही कृषि की पढ़ाई शुरू की जा सकती है।

लविवि में शुरू होगी दूरस्थ और ऑनलाइन पढ़ाई

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यांकन परिषद (नैक) के निरीक्षण में ए प्लस-प्लस की ग्रेडिंग हासिल करने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय ने दूरस्थ और ऑनलाइन पढ़ाई के क्षेत्र में भी अपने कदम बढ़ा दिए हैं। परिसर में ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा प्रणाली पर पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए लविवि ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पास आवेदन करके बीते दिनों इसकी फीस भी जमा कर दी है। सबसे पहले बीबीए और बीकॉम पाठ्यक्रमों से दूरस्थ शिक्षा प्रणाली की शुरुआत होगी। इसके बाद अन्य पाठ्यक्रमों को शामिल किया जाता है।

विवि में इस समय सबसे ज्यादा मांग बीकॉम, एलएलबी और बीबीए जैसे पाठ्यक्रमों की है। इनमें सीमित सीटें होने की वजह से हर साल काफी विद्यार्थी दाखिला पाने से वंचित रह जाते हैं। इसको देखते हुए लविवि ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली पर आधारित पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए यूजीसी के पास आवेदन किया है।

दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के पाठ्यक्रम संचालित करने की सबसे मूल शर्त विवि का नैक में एक ग्रेड प्राप्त करना है। लविवि ने नैक की ग्रेडिंग में ए प्लस-प्लस ग्रेड हासिल किया है। ऐसे में उसे दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम शुरू करने की अनुमति मिलने की पूरी उम्मीद है। फिलहाल एलएलबी पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा पद्धति पर संचालित करने की अनुमति नहीं है। इसकी वजह से लविवि ने फिलहाल बीबीए और बीकॉम पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुमति मांगी है। इसके बाद अगले चरण में अन्य पाठ्यक्रमों को इसमें शामिल किया जाएगा।

यूजीसी में आवेदन के बाद जमा की गई फीस, अब मंजूरी का इंतजार

बीबीए और बीकॉम पाठ्यक्रमों के साथ होगी शुरुआत

कम फीस में हो जाएगा कोर्स

लविवि में फिलहाल सिर्फ नियमित पाठ्यक्रम ही उपलब्ध हैं। ऑनलाइन और डिस्टेंस प्रणाली के पाठ्यक्रम शुरू होने पर विद्यार्थियों को कम फीस ही में पढ़ाई का मौका मिल जाएगा। इससे विद्यार्थियों को काफी राहत मिलेगी। दूसरी ओर विवि को उनकी नियमित कक्षाएं नहीं संचालित करनी होंगी। इससे उसका खर्च भी कम आएगा।

> जल्द अनुमति मिलने की उम्मीद
>
> बीबीए और बीकॉम पाठ्यक्रम दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली पर संचालित करने के लिए यूजीसी के पास आवेदन करके फीस भी जमा कर दी गई है। उम्मीद है कि हमें पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुमति मिल जाएगी। - **प्रो. आलोक कुमार राय,** कुलपति लविवि

परास्नातक पाठ्यक्रमों के प्रवेश पत्र हुए जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को परास्नातक परीक्षाओं के लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिए। 13 मार्च से शुरू होने वाली पीजी परीक्षाओं में सभी सह सम्बद्ध जिलों के लगभग एक लाख से अधिक परीक्षार्थी शामिल होंगे। लविवि के परीक्षा विभाग की ओर से सभी पाठ्यक्रमों के प्रवेश पत्र विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं।

छात्र-छात्राएं www.lkouniv.ac.in से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि 103 कॉलेजों को केंद्र बनाया गया है। इन केंद्रों की मॉनीटरिंग के लिए 23 नोडल सेंटर भी बनाए गए हैं। परीक्षाएं दो पालियों में होंगी। परीक्षा में किसी भी प्रकार की पठन सामग्री लाना प्रतिबंधित होगा।

प्रवेश पत्र में समस्या बरकरार : लविवि में विभिन्न केंद्रों पर हो रही स्नातक की परीक्षाओं के परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र की समस्या बरकरार है। इसके चलते विद्यार्थी परीक्षा विभाग के चक्कर काट रहे हैं। विवि के परीक्षा विभाग में प्रवेश पत्र सही कराने के लिए आए महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर कॉलेज के एक छात्र ने बताया कि सोमवार को उसकी परीक्षा है, जबकि अभी तक प्रवेश पत्र सही नहीं हो पाया है। कॉलेज के कई छात्र-छात्राएं प्रवेश पत्र में गलत विषय लिख जाने से परेशान हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

17 को डीएवी पहुंचेंगे रक्षामंत्री

लखनऊ। डीएवी कॉलेज परिसर में शुक्रवार को शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा हुई। प्रबंधक मनमोहन तिवारी ने बताया कि 15 मार्च को भजन सम्राट अनूप जलोटा अपने भजनों से भाव विभोर करेंगे। वहीं, 17 मार्च को परिसर में आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहेंगे। (संवाद)

लविवि : छह पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम जारी

लखनऊ। लविवि ने शुक्रवार को बीएससी एग्रीकल्चर सहित छह पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया। परीक्षा विभाग ने इसे वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड कर दिया है। इसके मुताबिक बीएससी एग्रीकल्चर पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 से 27 मार्च तक चलेंगी। एमएससी एग्रीकल्चर पहले व तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 21 से 31 मार्च तक चलेंगी। एमए संस्कृत पहले व तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 मार्च से तीन अप्रैल तक होंगी। एमएससी फिजिक्स पहले व तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 से 29 मार्च तक चलेंगी। बीबीए टूरिज्म विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं 17 से 31 मार्च तक चलेंगी। इसी तरह पीजी टूरिज्म की परीक्षाएं 17 से 27 मार्च तक होंगी। (संवाद)

परीक्षा में पकड़े गए 18 नकलची

लखनऊ। लविवि में स्नातक पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं में शुक्रवार को उड़ाका दल ने 18 छात्रों को नकल करते पकड़ा। ये सभी छात्र अनुचित साधनों के साथ परीक्षा में बैठे थे। इनके पास से नकल सामग्री बरामद होने के बाद इनकी कॉपियां जमा कराकर इन्हें नई कॉपियां दे दी गईं। शुक्रवार को 70510 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी और 417 परीक्षा में अनुपस्थित रहे। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू के 16 छात्रों को कैंपस प्लेसमेंट मिला

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सेंट्रल प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 16 छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट आकाश बायजूस कम्पनी में हुआ। प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि बीटेक की छात्रा राशि सिंह का मेडिकल फिजिक्स विषय के लिए असिस्टेंट लेक्चरर के पद पर चयन हुआ। जबकि एमएससी केमेस्ट्री के सात छात्र-छात्राओं का चयन हुआ।

एलयू: 417 छात्र अनुपस्थित, 18 नकलची पकड़े

लखनऊ। एलयू स्नातक पाठ्यक्रम के अंतर्गत बीए, बीबीए, बीकॉम, बीएससी और बीकॉम (ऑनर्स) विषम सेमेस्टर 2022 की परीक्षाओं में शुक्रवार को 70927 परीक्षार्थी शामिल हुए। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि लखनऊ सहित पांच जिलों में 150 से अधिक परीक्षा केंद्रों पर कुल 417 स्टूडेंट्स अनुपस्थित रहे। सचल दल द्वारा दोनों पालियों में कुल 18 नकलची पकड़े गए।

एमएससी कृषि समेत चार परीक्षा कार्यक्रम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के परास्नातक विषम सेमेस्टर 2022 के तहत शुक्रवार को बीएससी, एमएससी कृषि, एमए संस्कृत और एमएससी फिजिक्स पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम जारी किया है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि लखनऊ सहित पांच जिलों में बीएससी (एग्रीकल्चर) ऑनर्स, ऑल्ड व एनईपी की परीक्षाएं 20 मार्च से शुरू होंगी।

एलयू: तीसरा कैंपस तैयार वोकेशनल कोर्स शुरू होंगे

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के तीसरे कैंपस की बिल्डिंग सीतापुर के नैमिषारण्य में बनकर लगभग तैयार है। जल्द ही बिल्डिंग एलयू को हैंडओवर करने की तैयारी भी चल रही है। इसके लिए एलयू की ओर से रिमाइंडर भेजा है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि नैमिषारण्य में बिल्डिंग तैयार हो गई है। उस बिल्डिंग का निरीक्षण कराया गया था। कुछ चीजें अधूरी थीं, उसे पूरा करने के लिए कहा गया था। साथ ही बिल्डिंग से संबंधित अन्य डिटेल मांगी हैं। एलयू की ओर से रिमाइंडर भेजा गया है कि जल्द ही अन्य फॉर्मेल्टी पूरी कर ली जाएं जिससे कि वहां तीसरा कैंपस खोलने की तैयारी शुरू की जा सके।

कुलपति ने बताया कि नैमिषारण्य की बिल्डिंग मिलने के बाद वहां वोकेशनल, स्किल डेवलपमेंट व प्रोफेशनल कोर्स शुरू किए जाएंगे। कोर्सों की रूपरेखा तैयार की जा रही है। वीसी का कहना है कि स्टाफ मैनेजमेंट पर विचार किया जा रहा है। प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि वहां कैंपस खुलने से आस-पास के बच्चों को फायदा होगा।

JAGRAN CITY PAGE III

फिजिक्स में कम, एलएलबी व कामर्स में अधिक क्रेज

लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी दाखिले के लिए तमाम विषयों में सीटों के सापेक्ष कई गुणा ज्यादा दावेदार

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) में फिजिक्स और पाश्चात्य इतिहास जैसे विषयों में पीएचडी दाखिले का क्रेज कम हुआ है। वहीं, एलएलबी, कामर्स और शिक्षा शास्त्र जैसे विषयों में सीटों से कई गुणा दावेदार आए हैं।

सत्र 2022-23 में फिजिक्स में जहां 125 सीटों पर 105 आवेदन के सापेक्ष सिर्फ 82 और पाश्चात्य इतिहास में 37 सीटों पर 23 अभ्यर्थियों ने ही प्रवेश परीक्षा दी। वहीं, एलएलबी में 36 सीटों पर 436 और कामर्स में 65 सीटों पर 333 दावेदारों के बीच मुकाबला है।

लवि एवं सहयुक्त महाविद्यालयों में पीएचडी रेगुलर की 1,231 सीटों पर दाखिले के लिए पांच और छह फरवरी को प्रवेश परीक्षा हो चुकी है। 39 विषयों में 6671 अभ्यर्थियों में से 5,143 परीक्षा में शामिल हुए थे। सामान्य में 70 में 33 व एससी, एसटी, ओबीसी के लिए 32 अंक लाने वाले अभ्यर्थी साक्षात्कार में शामिल हो सकेंगे। इस व्यवस्था से उन विषयों की सीटें भरने में संकट होगा, जिनमें पहले सही कम अभ्यर्थी हैं।

पालिटिकल साइंस में कुल 39 सीटों पर 337 और शिक्षा शास्त्र में 145 सीटों के सापेक्ष 645 दावेदार हैं। हिन्दी और संस्कृत विषय में भी एक सीट पर करीब तीन अभ्यर्थी लाइन में हैं। उर्दू में पांच सीटों पर 46 यानी हर सीट पर करीब नौ दावेदार हैं। फ्रेंच विषय में दो सीटों पर तीन आवेदन आए थे। इनमें भी दो अभ्यर्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी।

विषय	सीट	दावेदार
समाज कार्य	एक	33
भूगोल	आठ	188
मनोविज्ञान	10	112
अंग्रेजी	36	215
अर्थशास्त्र	27	174
जंतु विज्ञान	139	184
रसायन विज्ञान	98	118
समाजशास्त्र	59	289
व्यापार प्रशासन	15	108
वनस्पति विज्ञान	20	154
सांख्यिकी	13	29
शारीरिक शिक्षा	45	185
मानव शास्त्र	छह	12
गणित	सात	86

> पीएचडी प्रवेश परीक्षा हो चुकी है। अगले सप्ताह लिखित परीक्षा के परिणाम जारी करने की तैयारी है। निर्धारित अंक पाने वालों को साक्षात्कार में शामिल होने का मौका मिलेगा। फिर फाइनल मेरिट सूची जारी होगी।
> -प्रो. पंकज मालवीय, प्रवेश समन्वयक, लवि

पीजी सेमेस्टर परीक्षाओं के प्रवेश पत्र जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को परास्नातक विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं। छात्र-छात्राएं अपनी लागइन व पासवर्ड के जरिए इसे डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि पीजी विषम सेमेस्टर परीक्षाओं की शुरुआत 13 मार्च से एमए पब्लिक पालिसी एंड गवर्नेंस प्रथम व तृतीय सेमेस्टर (न्यू) के साथ होगी। अन्य विषयों की परीक्षाएं 14 मार्च से शुरू होंगी। पीजी की परीक्षाओं में करीब 30 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे। इसके लिए 103 कालेजों को केंद्र बनाया गया है। इनकी मानीटरिंग के लिए 23 नोडल केंद्र भी तय हैं।

एहतियात : परीक्षा केंद्रों पर मांगी आपत्ति : डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) की ओर से सत्र 2022-23 की विषम सेमेस्टर के प्रथम सेमेस्टर, बीटेक, बीफार्मा तीसरे सेमेस्टर के रेगुलर व कैरीओवर विषयों की परीक्षाएं 18 मार्च से आयोजित की जाएंगी। इसके लिए प्रस्तावित परीक्षा केंद्रों पर 11 मार्च को शाम पांच बजे तक आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

15 मार्च तक रेक्टीफिकेशन का मौका : डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) ने जनवरी में सत्र 2022-23 की परीक्षा कराई थी। इसमें कई छात्र-छात्राएं नकल में पकड़े गए थे। ऐसे छात्र-छात्राओं को 15 मार्च तक प्रार्थना पत्र के माध्यम से स्पष्टीकरण का मौका दिया गया है। विद्यार्थी ईमेल aktuufm@gmail.com पर प्रार्थना पत्र भेज सकते हैं ताकि उस पर समिति के समक्ष निर्णय लिया जा सके।

लवि के 16 विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ विश्वविद्यालय के सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 16 छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट आकाश बायजूस कंपनी में हुआ है। प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि बीटेक की छात्रा राशि सिंह का असिस्टेंट लेक्चरर के पद पर, एमएससी (रसायन विज्ञान) की उन्नति तिवारी, मनीष चौहान, श्रेया श्रीवास्तव, देवेंद्र त्रिपाठी, रुष्टि शुक्ला, आशुतोष पाठेय, परुष्या पाठेय का मेडिकल केमिस्ट्री विषय के लिए एमएससी (रसायन विज्ञान) के ही रश्मि द्विवेदी, सेजल, अमन, वैष्णवी का इंजीनियरिंग केमिस्ट्री के लिए चयन हुआ। एमएससी जूलाजी की वैष्णवी सिंह, इशिता, विकास एवं श्वेता का असिस्टेंट लेक्चरर पद पर प्लेसमेंट हुआ है।

एमएससी कृषि की सेमेस्टर परीक्षाएं 18 से 28 मार्च तक

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को बीएससी, एमएससी कृषि, एमएससी फिजिक्स और एमए संस्कृत पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया। एमएससी (एजी) हर्टिकल्चर, एमएससी (एजी) एग्रीकल्चर एक्सटेंशन, एमएससी (एजी) एग्रोनामी, एमएससी (एजी) सायल साइंस एंड एग्रीकल्चर केमिस्ट्री और एमएससी (एजी) एंटोमोलाजी पाठ्यक्रमों के प्रथम सेमेस्टर परीक्षाएं 18 से 28 मार्च तक होंगी। छात्र-छात्राएं लवि की वेबसाइट से विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम डाउनलोड कर सकते हैं।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि एमएससी (एजी) हर्टिकल्चर, एमएससी (एजी) एग्रीकल्चर एक्सटेंशन, एमएससी (एजी) एग्रोनामी, एमएससी (एजी) सायल साइंस एंड एग्रीकल्चर केमिस्ट्री और एमएससी (एजी) एंटोमोलाजी पाठ्यक्रम के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 से 27 मार्च तक होंगी। वहीं, बीएससी (एजी) आनर्स प्रथम सेमेस्टर (ओल्ड) 20 से 29 मार्च, बीएससी (एजी) आनर्स एग्रीकल्चर प्रथम सेमेस्टर (एनईपी) 20 मार्च से तीन अप्रैल, बीएससी (एजी) आनर्स एग्रीकल्चर तीसरे सेमेस्टर 31 मार्च से 10 अप्रैल, बीएससी एजी आनर्स तीसरे सेमेस्टर 20 मार्च से एक अप्रैल, बीएससी आनर्स एग्रीकल्चर तीसरे सेमेस्टर (एनईपी) 20 मार्च से पांच अप्रैल एवं बीएससी (एजी) आनर्स पांचवें सेमेस्टर 31 मार्च से 11 अप्रैल तक होंगी।

एमएससी फिजिक्स की परीक्षा 18 से : एमएससी फिजिक्स प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 से 29 मार्च तक और इसके तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 17 से 25 मार्च होगी। एमए संस्कृत प्रथम सेमेस्टर (सीबीसीएस) 20 मार्च से और एमए संस्कृत तीसरे सेमेस्टर (सीबीसीएस ग्रुप ए) 18 मार्च से शुरू होंगी।

AMRIT VICHAR PAGE 4

परीक्षा कार्यक्रम दुरुस्त करने की कवायद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय सत्र 2022-23 के परीक्षा कार्यक्रम को दुरुस्त करने की कवायद में जुटा है। इसके बावजूद परीक्षा कार्यक्रम पिछड़ा हुआ है। विषम सेमेस्टर की स्नातक परीक्षाएं कराने के साथ अब विश्वविद्यालय परास्नातक परीक्षाएं कराने की तैयारी कर रहा है।

लविवि के परीक्षा नियंत्रक विदया नंद त्रिपाठी के मुताबिक स्नातक परीक्षाएं लगभग संपन्न कराई जा चुकी हैं। इसमें तकरीबन 70 हजार छात्रों की परीक्षाएं सफलता पूर्वक संपन्न करा ली गई हैं बाकी अब परास्नातक परीक्षाएं 14 मार्च से शुरू कराई जाएगी। जनसंपर्क अधिकारी दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि परास्नातक परीक्षा कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। 14 मार्च से परीक्षाएं शुरू कराई जाएंगी।

विषम सेमेस्टर के लिए छात्र 14 तक कर सकते हैं आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के शैक्षिक सत्र 2022-23 की विषम सेमेस्टर के पाठ्यक्रमों की परीक्षा फार्म व परीक्षा शुल्क व सत्यापन की तिथि को बढ़ा दिया गया है। अब छात्र व छात्राएं 14 मार्च तक अपने आवेदन जमा करने के साथ 15 मार्च तक परीक्षा शुल्क जमा कर सकते हैं। एकेटीयू के मुताबिक शैक्षिक सत्र 2022-23 के विषम सेमेस्टर के प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विभिन्न पाठ्यक्रमों (स्नातक एवं परास्नातक) के रेगुलर तथा कैरी ओवर विषयों के द्वितीय चरण की परीक्षाओं के लिए ईआरपी के माध्यम से 10 मार्च 2023 तक परीक्षा फार्म भरे जाने थे और 11 मार्च, 2023 निर्धारित परीक्षा शुल्क जमा किये जाने के निर्देश दिए गए थे। छात्र व छात्राओं द्वारा किये गये अनुरोध को स्वीकार करते हुए उक्त परीक्षाओं के परीक्षा फार्म भरे जाने और निर्धारित परीक्षा शुल्क जमा किये जाने के लिए निर्धारित अन्तिम तिथि को पुनः विस्तारित किया गया है। अब छात्र 14 मार्च, 2023 तक परीक्षा फार्म भरे जाने और 15 मार्च, 2023 को दोपहर दो बजे तक परीक्षा शुल्क जमा कर सकते हैं। इसके लिए ईआरपी पोर्टल खोल दिया गया है।

स्नातक परीक्षा में 18 नकलची धरे गए- विश्वविद्यालय की स्नातक परीक्षा में अब तक सात छात्राएं व 11 छात्र नकल करते पकड़े गए। कुल 18 छात्र व छात्राएं नकल करते पकड़े गए हैं। इनके विरुद्ध विवि नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

i-NEXT PAGE 3

एमएससी एग्रीकल्चर के एग्जाम 18 मार्च से

लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी किया कई विषयों का परीक्षा कार्यक्रम

LUCKNOW (10 March): लखनऊ विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को बीएससी, एमएससी कृषि, एमएससी फिजिक्स और एमए संस्कृत पाठ्यक्रमों का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया. एमएससी (एजी) हर्टिकल्चर, एमएससी (एजी) एग्रीकल्चर एक्सटेंशन, एमएससी (एजी) एग्रोनामी, एमएससी (एजी) सायल साइंस एंड एग्रीकल्चर केमिस्ट्री और एमएससी (एजी) एंटोमोलाजी पाठ्यक्रमों के फर्स्ट सेमेस्टर एग्जाम 18 से 28 मार्च तक होंगी. स्टूडेंट्स एलयू की वेबसाइट से विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम डाउनलोड कर सकते हैं.

एमएससी फिजिक्स के एग्जाम 18 से

एमएससी फिजिक्स प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 से 29 मार्च तक और इसके तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 17 से 25 मार्च होंगी. एमए संस्कृत प्रथम सेमेस्टर (सीबीसीएस) 20 मार्च से और एमए संस्कृत तीसरे सेमेस्टर (सीबीसीएस ग्रुप ए) 18 मार्च से शुरू होंगी.

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि एमएससी (एजी) हर्टिकल्चर, एमएससी (एजी) एग्रीकल्चर एक्सटेंशन, एमएससी (एजी) एग्रोनामी, एमएससी (एजी) सायल साइंस एंड एग्रीकल्चर केमिस्ट्री एवं एमएससी (एजी) एंटोमोलाजी पाठ्यक्रम के तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 20 से 27 मार्च होंगी.

अब प्रमाणपत्र और डिप्लोमा का विषयवार होगा नामकरण

जागरण संवाददाता, लखनऊ : राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत प्रमाण पत्र, डिप्लोमा एवं पीजी डिप्लोमा इन रिसर्च (पीजीडीआर) में निकास (एक्जिट) की सुविधा पहले ही दी गई है। अब इनका विषयवार नामकरण किया जाएगा, ताकि इनकी पढ़ाई पूरी करने के बाद निकास (एक्जिट) लेने वाले विद्यार्थियों को स्वरोजगार या रोजगार पाने में सुविधा मिल सके। नामांकन के लिए शासन ने राज्य स्तरीय 11 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय की डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर पूनम टंडन भी शामिल हैं। कमेटी को एक महीने में अपनी रिपोर्ट देनी होगी।

प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि लवि ने सबसे पहले एनईपी की व्यवस्था अपने यहां लागू की थी। प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों को भी एकाधिक प्रवेश एवं निकास (मल्टिपल एंट्री एंड एक्जिट) की सुविधा प्रदान की गई है। अब प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, पीजीडीआर के तहत निकास लेने वाले विद्यार्थियों के लिए इनका विषयवार नामकरण किया जाएगा। इस सुविधा से विद्यार्थियों को आगे रोजगार में आसानी होगी।

आनलाइन कोर्स की होगी मैपिंग : कमेटी यूजीसी के निमयों के अनुसार मान्यता प्राप्त संस्थानों, स्वयं, नेप्टेल आदि के आनलाइन कोर्स, पेपर का प्रदेश के विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में चल रहे कोर्स, पेपर (कामन मिनिमम सिलेबस) के साथ मैपिंग की तालिका भी तैयार करेगी, ताकि हर कोर्स का आनलाइन विकल्प बन सके।

कमेटी में इन्हें किया गया शामिल

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के कुलपति को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। गलगोटिया विश्वविद्यालय गौतमबुद्ध नगर के कुलपति, राज्य पाठ्यक्रम समिति की सदस्य एवं लवि की डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के प्रो. हरे कृष्ण, मायावती राज्य महिला महाविद्यालय बादलपुर के प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा एवं प्राचार्या प्रो. दिव्या नाथ, एनडी कालेज शिकोहाबाद के प्राचार्य प्रो. विजय कुमार सिंह, राजकीय महाविद्यालय गभाना अलीगढ़ की प्राचार्या प्रो. अनीता रानी, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के प्रो. दीपक बाबू, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के प्रो. मानस पांडेय को सदस्य एवं अपर सचिव राज्य उच्च शिक्षा परिषद प्रो. राजेश चतुर्वेदी को सदस्य सचिव बनाया गया है।